ठाकुर प्रसाद

रूपेश पंचाङ्ग

जून 6 2025 JUNE

विक्रम संवत् 2082	श्रीशालिवाहन शाके 1947	फसली सन् 1432	इस्लामी हिजरी सन् 1446-47	बंगला संवत् 1432	नेपाली संवत् 1145
ज्येष्ठ शुक्ल 6 से आषाढ़ शुक्ल 5 तक। ता. 12 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।	राष्ट्रीय ज्येष्ठ 11 से आषाढ़ 9 तक। ता. 22 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।	प्र. जेठ 20 से प्र. हाड़ 19 तक। ता. 13 से प्र. हाड़ मास प्रारम्भ।	जिलहिज 4 से मुहर्रम 4 तक। ता. 27 से जनवर्ग मुहर्रम 1447 शुरू।	ज्येष्ठ 18 से आषाढ़ 15 तक। ता. 16 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।	ज्येष्ठ 18 गते से आषाढ़ 16 गते तक। ता. 15 से आषाढ़ मास प्रारम्भ।

रवि SUN	ज्येष्ठ शुक्ल षष्ठी रात 11:54 तक **1** सिंह चं. रात 1:41 से, श्लेषा रात 1:41 तक	ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी प्रातः 7:2 तक मु.11 बंग.25 **8** प्रदोष व्रत तुला चं. स्वाती दिन 12:58	आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी दिन 2:3 तक मु.18 बंग.32 **15** मिथुन संक्रान्ति मकर चं. श्रवण रात 11:40 तक	आषाढ़ कृष्ण द्वादशी रात 10:46 तक मु.25 बंग.7 **22** एकादशी व्रत वृष चं. रात 9:6 से, भरणी दिन 3:30 तक	आषाढ़ शुक्ल चतुर्थी दिन 11:33 तक भद्रा मु.3 बंग.14 **29** सिंह चं. दिन 9:17 से, श्लेषा दिन 9:17 तक
सो MON	ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी रात 11:59 तक भद्रा मु.5 बंग.19 **2** ता.12 ने. ज्येष्ठ 19 गते सिंह चं. मघा रात 2:31 तक	ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी दिन 9:3 तक मु.12 बंग.26 **9** ता.19 ने. ज्येष्ठ 26 गते वृश्चिक चं. दिन 8:55 से, विशाखा दिन 3:33	आषाढ़ कृष्ण पंचमी दिन 1:12 तक मु.19 बंग.1 **16** ता.26 ने. आषाढ़ 2 गते कुम्भ चं. दिन 11:32 से, धनिष्ठा रात 11:23 तक	आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी रात 8:21 तक भद्रा मु.26 बंग.8 **23** ता.2 ने. आषाढ़ 9 गते प्रदोष व्रत वृष चं. कृत्तिका दिन 1:53 तक	आषाढ़ शुक्ल पंचमी दिन 11:36 तक मु.4 बंग.15 **30** ता.9 ने. आषाढ़ 16 गते सिंह चं. मघा दिन 10:9 तक
मं TUE	ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी रात 12:37 तक भद्रा मु.6 बंग.20 **3** ता.13 ने. ज्येष्ठ 20 गते सिंह चं. पू.फा. रात 3:53 तक	ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी दिन 10:55 तक भद्रा मु.13 बंग.27 **10** पूर्णिमा वटसावित्री व्रत ता.20 ने. ज्येष्ठ 27 गते वृश्चिक चं. अनुराधा सायं 5:58 तक	आषाढ़ कृष्ण षष्ठी दिन 11:56 तक भद्रा मु.20 बंग.2 **17** ता.27 ने. आषाढ़ 3 गते कुम्भ चं. शतभिषा रात 10:41 तक	आषाढ़ कृष्ण चतुर्दशी सायं 6:6 तक भद्रा मु.27 बंग.9 **24** ता.3 ने. आषाढ़ 10 गते मिथुन चं. रा. 11:45 से, रोहिणी दिन 12:23	
बु WED	ज्येष्ठ शुक्ल नवमी रात 1:41 तक मु.7 बंग.21 **4** ता.14 ने. ज्येष्ठ 21 गते कन्या चं. दिन 10:20 से, उ.फा. समस्त	ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा दिन 12:29 तक मु.14 बंग.28 **11** स्नान-दान पूर्णिमा ता.21 ने. ज्येष्ठ 28 गते धनु चं. रात 8:2 से, ज्येष्ठा रात 8:2 तक	आषाढ़ कृष्ण सप्तमी दिन 10:17 तक मु.21 बंग.3 **18** ता.28 ने. आषाढ़ 4 गते मीन चं. दि. 3:55 से, पू.भा. रात 9:39 तक	आषाढ़ कृष्ण अमावस्या सायं 4:4 तक मु.28 बंग.10 **25** अमावस्या ता.4 ने. आषाढ़ 11 गते मिथुन चं. मृगशिरा दिन 11:6 तक	
गु THU	ज्येष्ठ शुक्ल दशमी रात 3:13 तक मु.8 बंग.22 **5** गंगा दशहरा ता.15 ने. ज्येष्ठ 22 गते कन्या चं. उ.फा. प्रातः 5:41 तक	आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा दिन 1:35 तक मु.15 बंग.29 **12** ता.22 ने. ज्येष्ठ 29 गते धनु चं. मूल रात 9:39 तक	आषाढ़ कृष्ण अष्टमी दिन 8:18 तक मु.22 बंग.4 **19** ता.29 ने. आषाढ़ 5 गते मीन चं. उ.भा. रात 8:20 तक	आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा दिन 2:21 तक मु.29 बंग.11 **26** चन्द्रदर्शन ता.5 ने. आषाढ़ 12 गते कर्क चं. रात 3:37 से, आर्द्रा दिन 10:7 तक	
शु FRI	ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी रा.शे. 5:2 तक भद्रा मु.9 बंग.23 **6** एकादशी व्रत ता.16 ने. ज्येष्ठ 23 गते तुला चं. रात 9:8 से, हस्त प्रा. 7:53 तक	आषाढ़ कृष्ण द्वितीया दिन 2:17 तक भद्रा मु.16 बंग.30 **13** ता.23 ने. ज्येष्ठ 30 गते मकर चं. रा.शे. 5:0 से, पू.षा. रात 10:49 तक	आषाढ़ कृष्ण नवमी प्रातः 6:5 तक, दशमी रात 3:43 तक भद्रा मु.23 बंग.5 **20** ता.30 ने. आषाढ़ 6 गते मेष चं. सायं 6:49 से, रेवती सायं 6:49 तक	आषाढ़ शुक्ल द्वितीया दिन 12:58 तक मु.1 बंग.12 **27** रथयात्रा ता.6 ने. आषाढ़ 13 गते कर्क चं. पुनर्वसु दिन 9:27 तक	
श SAT	ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी समस्त मु.10 बंग.24 एकादशी व्रत-वैष्णव **7** बकरीद ता.17 ने. ज्येष्ठ 24 गते तुला चं. चित्रा दिन 10:21 तक	आषाढ़ कृष्ण तृतीया दिन 2:26 तक भद्रा मु.17 बंग.31 **14** गणेश चतुर्थी व्रत ता.24 ने. ज्येष्ठ 31 गते मकर चं. उ.षा. रात 11:30 तक	आषाढ़ कृष्ण एकादशी रात 1:14 तक मु.24 बंग.6 योग दिवस **21** एकादशी व्रत ता.31 ने. आषाढ़ 7 गते मेष चं. अश्विनी सायं 5:11 तक	आषाढ़ शुक्ल तृतीया दिन 12:1 तक भद्रा मु.2 बंग.13 **28** ता.7 ने. आषाढ़ 14 गते कर्क चं. पुष्य दिन 9:12 तक	

तारीख	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	5:16	15	15	15	15	15	14	14	14	14	14	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13	13
सूर्यास्त	6:44	45	45	45	45	45	46	46	46	46	46	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47	47

दूध का हिसाब

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			योग		
16					

धुलाई का हिसाब

दिनांक	विवरण	कपड़ा	संख्या

अखबार का हिसाब

दिनांक	1	2	3
4	5	6	7
8	9	10	11
12	13	14	15
16	17	18	19
20	21	22	23
24	25	26	27
28	29	30	

भद्रा-विचार

ता.2 रात 11:59 से ता.3 दिन 12:18 तक।
ता.6 सायं 4:7 से रा.शे.5:2 तक।
ता.10 दिन 10:55 से रात 11:42 तक।
ता.13 रात 2:21 से ता.14 दिन 2:26 तक।
ता.17 दिन 11:56 से रात 11:7 तक।
ता.20 सायं 4:54 से रात 3:43 तक।
ता.23 रात 8:22 से ता.24 प्रातः 7:14 तक।
ता.28 रात 11:48 से ता.29 दिन 11:33 तक।

तेजी-मंदी

गेहूँ, जौ, जना-मटर, बाजरा-मूँग-मोठ में मंदी, मिर्च-गुड़ सभी अनाज, कपास, तेल, घी, सोना-चाँदी में मंदी के बाद तेजी सम्भव है।

मूल विचार

मासारम्भ से ता.2 को मघा रात 2:31 तक। ता.10 को ज्येष्ठा सायं 5:58 से ता.12 को मूल रात 9:39 तक। ता.19 को रेवती रात 8:20 से ता.21 को अश्विनी सायं 5:11 तक। ता.28 को श्लेषा दिन 9:12 से ता.30 को मघा दिन 10:9 तक।

सूर्य नक्षत्र

ता.8 को मृगशिरा दिन 1:25 से।
ता.15 को मिथुन राशि दिन 1:39 से।
ता.22 को आर्द्रा दिन 2:12 से।

पंचक विचार

ता.16 को दिन 11:32 से। ता.20 को सायं 6:49 तक।

विवाह मुहूर्त

ता.1,2,4,5,6,7,8। आगे गुरु अस्त व हरिशयन है।

व्रत-त्यौहार

1.रवि-श्रीस्कन्द षष्ठी व्रत।
3.मंगल-ज्येष्ठ बड़का मंगल।
5.गुरु-गंगा दशहरा, श्रीरामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस, बटुक भैरव प्राकट्योत्सव।
6.शुक्र-भीमसेनी निर्जला एकादशी व्रत-स्मार्त।
7.शनि-निर्जला एकादशी व्रत-वैष्णव, मु. पर्व बकरीद।
8.रवि-प्रदोष व्रत, वट सावित्री व्रतारम्भ-द.भा. मृगशिरा के सूर्य दि.1:25।
10.मंगल-व्रत की पूर्णिमा, वट सावित्री व्रत-द.भा., बड़का मंगल।
11.बुध-स्नान-दान की पूर्णिमा, गुरु अस्त पश्चिम में सा.6:54, संत कबीरदास जयंती।
12.गुरु-गुरु हर गोविन्द सिंह जयंती।
14.शनि-संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात 9:36।
15.रवि-मिथुन संक्रांति दि.1:39। राजस संक्रांति।
19.गुरु-शीतलाष्टमी व्रत।
21.शनि-योगिनी एकादशी व्रत-स्मार्त, देवराहा बाबा पुण्य तिथि, योग दिवस।
22.रवि-योगिनी एकादशी व्रत-वै., आर्द्रा के सूर्य दिन 2:12।
23.सोम-प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत।
25.बुध-स्नान-श्राद्ध की अमावस्या।
26.गुरु-चन्द्रदर्शन, गुप्त नवरात्रारम्भ।
27.शुक्र-रथयात्रा, श्रीराम-बलराम रथोत्सव।
29-रवि-वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत

विस्तृत पर्व-त्यौहार जयन्ती सितम्बर के पृष्ठ पर देखें

राशि - फल

मेष- सहयोगियों के माध्यम से कामों में सफलता मिलेगी, व्यवसाय में लाभ होगा।
वृष- उच्चाधिकारियों से व्यवसाय में लाभ होगा, दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी।
मिथुन-राजनीतिक व्यक्तियों को भ्रम की स्थिति तथा विपक्ष से हानि सम्भव है।
कर्क- भूमि-सम्पत्ति का विवाद बढ़ेगा, स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट होगा।
सिंह- आर्थिक उन्नति का योग है, दाम्पत्य जीवन में सुख मिलेगा।
कन्या- विद्यार्थियों हेतु मास कष्टकारी है, स्त्री एवं परिवार का उत्तम सुख मिलेगा।
तुला- पुत्रादि से वैमनस्यता की स्थिति, पेट सम्बन्धी रोग से परेशानी बढ़ेगी।
वृश्चिक-परिस्थितियाँ अनुकूल रहेंगी, नौकरी व्यवसाय में उन्नति होगी।
धनु- व्यवसाय में विघ्न तथा हानि होगी, अनावश्यक विवाद की सम्भावना है।
मकर- स्वजनों से वाद-विवाद सम्भव है, आकस्मिक दुर्घटना हो सकती है।
कुम्भ- व्यवसाय, कारोबार में लाभ होगा, पूंजी का अनावश्यक दुरुपयोग होगा।
मीन- किसी से विवाद की सम्भावना रहेगी, माता-पिता को रोग से कष्ट होगा।

आकाशी-लक्षण

उत्तर भारत में झुलसाने वाली गर्मी पड़ेगी, पूर्वी पश्चिमी तथा दक्षिण क्षेत्रों में तेज हवा के साथ वर्षा, राजस्थान व महाराष्ट्र में तेज वृष्टि व बूँदा-बूँदी पड़ेगी।

मई-2025

रवि		4	11	18	25
सोम		5		19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	30
शनि	3	10	17	24	31

वृक्षारोपण -

आम की गुठली को धोकर रख लें, जून, जुलाई के महीने में सड़क के किनारे, पार्क या खाली जमीन में लगा दें। एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है और उसका अपार पुण्य सहजता से प्राप्त होता है। वृक्षारोपण करना यज्ञ करने के समान फल देता है। प्राचीन पुस्तकों में भी विवेचन किया गया है कि नीम, आम का वृक्ष लगाने से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। अतः अपने नजदीकी स्कूल, ग्राम पंचायत एवं धार्मिक संस्थाओं को भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनावें एवं दूसरों को भी प्रोत्साहित करें।

जुलाई-2025

रवि			13	20	27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	ॐ
बुध	2	9	16	23	30
गुरु	3		17	24	31
शुक्र	4	11	18	25	
शनि	5	12	19	26	

Sleep Better

तीसी (Flax-seeds)

बादाम

मछली

अनिद्रा के लिए घरेलू उपचार

विस्तृत रोग + दवा दिसम्बर के पीछे देखें।

दही

कोहड़ा का बीज

शहद

गर्म दूध

सर्वार्थसिद्धि एवं विविध योग सन् 2025 ई.

सभी प्रकार के शुभ कार्यों को सर्वार्थसिद्धि व सर्वार्थामृतसिद्धि योग, त्रिपुष्कर योग, त्रिपुष्कर योग, स्थायी जय योग, वायीजय योग, यम-घण्ट योग एवं रवियोग—इन योगों में प्रारम्भ करने से कार्य में सफलता की पूर्ण संभावना होती है।

सर्वार्थ व सर्वार्थामृत सिद्धि योग

ता. वार योग

जनवरी
5.रवि-रात 9:11 से
7.मंगल-सा.5:57 से
11.शनि-दि.12:0 से
19.रवि-समस्त दिन।
23.गुरु-रात 3:12 से
24.शुक्र-रा.शे.5:14 तक।
27.सोम-प्रातः5:49 से

फरवरी
2.रवि-रात 3:39 से
4.मंगल-रा.12:20 तक।
5.बुध-रात 10:42 से
10.सोम-रात 6:8 से
11.मंगल-रात 6:23 से
16.रवि-रात 2:46 तक।
17.सोम-रात 2:46 तक (अमृत.)।
20.गुरु-दिन 10:22 तक।
21.शुक्र-दिन 12:30 तक।
23.रवि-दिन 3:26 तक।

मार्च
2.रवि-दिन 11:44 तक।
5.बुध-प्रातः6:47 से
9.रवि-रात 1:53 से
10.सोम-रात 2:3 से
11.मंगल-रात 2:43 तक।
16.रवि-दिन 9:57 तक (अमृत.)।
19.बुध-सा.5:37 से(अमृत.)
20.गुरु-रात 7:49 तक।
23.रवि-रात 11:49 से
24.सोम-रात 12:9 तक।
30.रवि-सायं 6:14 से

अप्रैल
1.मंगल-दिन 2:55 से
2.बुध-दिन 1:21 तक।
6.रवि-दिन 9:42 से
7.सोम-दिन 9:46 तक।
8.मंगल-दिन 10:18 तक।
20.रवि-प्रातः 7:26 से।
21.सोम-प्रातः 7:52 से
27.रवि-रात 12:42 तक।
29.मंगल-रात 9:26 तक।
30.बुध-रात 8:2 तक।

मई
2.शुक्र-सायं 6:1 से
4.रवि-सायं 5:28 तक।
10.शनि-रात 2:59 से
14.बुध-दि 10:30 तक (अमृत.)।
18.रवि-दिन 3:40 से
19.सोम-दिन 3:44 तक।
23.शुक्र-दिन 12:6 से (अमृत.)।
25.रवि-दिन 8:55 तक।
27.मंगल-प्रातः 5:38 तक।

ता. वार योग
28.बुध-रात 2:57 तक।
29.गुरु-रात 2:4 से
30.शुक्र-रात 1:29 तक।

जून
7.शनि-दिन 10:21 से
9.सोम-दिन 3:33 से
14.शनि-रात 11:30 से
19.गुरु-रात 8:20 से
20.शुक्र-सायं 6:49 से
23.सोम-दिन 1:53 से
25.बुध-दिन 11:6 तक।
26.गुरु-दिन 10:7 से
27.शुक्र-दिन 9:27 तक।

जुलाई
2.बुध-दिन 1:5 से
5.शनि-रात 8:14 तक।
7.सोम-रात 1:17 से
12.शनि-प्रातः 7:17 से
17.गुरु-रात 3:4 तक।
18.शुक्र-रात 1:27 तक।
21.सोम-रात 8:37 तक।
24.गुरु-सायं 5:27 तक।

अगस्त
4.सोम-दिन 8:39 तक।
8.शुक्र-दिन 3:2 से
12.मंगल-दिन 1:58 से
14.गुरु-दिन 11:20 तक।
15.शुक्र-दिन 9:43 तक।
18.सोम-रात 3:26 तक (अमृत.)।
24.रवि-रात 2:30 से
27.बुध-प्रातः 5:56 तक।

सितम्बर
5.शुक्र-रात 11:12 तक।
9.मंगल-रात 8:51 तक।
11.गुरु-सायं 5:54 तक।
21.रवि-दिन 9:56 से
26.शुक्र-रात 8:28 से
28.रवि-रात 1:24 से

अक्टूबर
3.शुक्र-प्रातः 6:53 से
7.मंगल-रा.3:36 से(अमृत.)।
11.शनि-रा.9:9 तक(अमृत.)।
19.रवि-सायं 6:47 तक।
23.गुरु-रात 3:38 से
24.शुक्र-रा.शे.6:14 से

नवम्बर
2.रवि-दिन 1:58 से
4.मंगल-दि.11:45 तक।(अमृ.)।
7.शुक्र-प्रा.6:57 से(अमृत.)।
10.सोम-रात 1:21 से
11.मंगल-रात 12:37 से
20.गुरु-दिन 10:42 से
21.शुक्र-दिन 1:19 तक।
23.रवि-रात 6:1 तक।
30.रवि-रात 8:57 तक।

दिसम्बर
2.मंगल-सा.6:18 से(अमृत.)।
3.बुध-सायं 4:41 से
8.सोम-दिन 9:14 से
9.मंगल-दिन 8:26 से
14.रवि-दि.10:56 तक(अमृ.)।
17.बुध-सा.5:41से(अमृत.)।
21.रवि-रात 3:5 से
22.सोम-रात 4:36 से
28.रवि-रात 3:44 से
31.बुध-रात 11:7 तक।

यमघंट योग

जनवरी
9.गुरु-दिन 2:39 से
10.शुक्र-दिन 1:13 से

फरवरी
6.गुरु-रात 9:13 से
7.शुक्र-रात 7:56 तक।

मार्च
15.शनि-प्रातः 7:34 से

अप्रैल
2.बुध-दिन 1:21 तक।
3.गुरु-दिन 11:58 से
11.शुक्र-दिन 2:53 तक।
14.सोम-रात 10:20 से

जून
9.सोम-दिन 3:33 तक।
29.रवि-दिन 9:27 से

जुलाई
9.बुध-रा.शे.5:11 से
22.मंगल-रात 7:16 से
27.रवि-सायं 5:51 तक।

अगस्त
6.बुध-दिन 12:44 तक।
19.मंगल-रात 2:17 तक।

सितम्बर
16.मंगल-दिन 10:19 तक।

अक्टूबर
10.शुक्र-रात 10:46 से

नवम्बर
6.गुरु-प्रातः 8:37 तक।
7.शुक्र-प्रातः6:57 से
15.शनि-रात 2:8 से

दिसम्बर
4.गुरु-दिन 3:2 से
5.शुक्र-दिन 1:22 तक।

त्रिपुष्कर योग

जनवरी
5.रवि-रात 9:11 से

फरवरी
9.रवि-सायं 6:21 से
25.मंगल-दिन 10:5 तक।

मार्च
1.शनि-दि 1:13 तक।

अप्रैल
15.मंगल-दिन 8:33 तक।
20.रवि-प्रा.7:26 से
29.मंगल-रात 8:9 तक।

जून
17.मंगल-रात 10:41 से।
22.रवि-दिन 3:30 से

जुलाई
1.मंगल-दिन 12:11 से
6.रवि-रात 1:17 से
12.शनि-प्रातः 7:17 तक।

अगस्त
19.मंगल-रात 2:17 से।
24.रवि-रात 2:30 से
30.शनि-दिन 1:22 तक।

अक्टूबर
28.मंगल-दिन 12:32 से।

नवम्बर
2.रवि-दिन 1:58 तक।

दिसम्बर
16.मंगल-दिन 3:9 से
21.रवि-रात 3:5 से।

त्रिपुष्कर योग

मार्च
16.रवि-दिन 9:57 से

ता. वार योग
25.मंगल-रात 12:1 से

जून
7.शनि-दि10:21 तक।

जुलाई
22.मंगल- प्रातः 5:48 तक।

अगस्त
10.रवि-दिन 12:38 से
14.गुरु-दिन 8:41 तक।

सितम्बर
14.रवि-दिन 8:41 तक।
23.मंगल-दिन 1:10 से

नवम्बर
16.रवि-रात 3:44 से।

दिसम्बर
6.शनि-दिन 11:47 तक।

रवि योग

जनवरी
2.गुरु-रात 12:30 से
3.शुक्र-रात 11:42 तक।
4.शनि-रात 10:35 से
5.रवि-रात 9:11 तक।
7.मंगल-सायं 5:57 से
8.बुध-समस्त दिन।
9.गुरु-दिन 2:39 तक।
12.रवि-दिन 11:7 से
13.सोम-दिन 10:35 तक।
19.रवि-सायं 5:10 से
20.सोम-रात 7:38 तक।
31.शुक्र-प्रातः 6:32 से

फरवरी
1.शनि-रा.शे. 5:12 तक।
2.रवि-रात 3:39 से
3.सोम-रात 2:0 तक।
5.बुध-रात 10:42 से
6.गुरु-रात 9:13 तक।
पुनः दिन 12:35 से
7.शुक्र-रात 7:56 तक।
9.रवि-सायं 6:21 से
10.सोम-सायं 6:8 तक।
17.सोम-रा.शे. 5:22 से
18.मंगल-समस्त दिन।
19.बुध-प्रातः 7:57 तक।
पुनः सायं 4:12 से
20.गुरु-दिन 10:22 तक।

मार्च
2.रवि-दिन 11:44 से
3.सोम-दिन 10:5 तक।
4.मंगल-दिन 8:24 से
5.बुध-प्रातः 6:46 से रा.शे.5:16 तक।
7.शुक्र-रात 2:54 से
8.शनि-समस्त दिन
9.रवि-रात 1:53 तक।
11.मंगल-रात 2:43 से
12.बुध-रात 3:52 तक।
20.गुरु-रात 7:49 से
21.शुक्र-रात 9:37 तक।

अप्रैल
1.मंगल-दिन 2:55 से
2.बुध-दिन 1:21 तक।
3.गुरु-दिन 11:58 से
4.शुक्र-दिन 10:52 तक।
6.रवि-दिन 9:42 से
7.सोम-समस्त दिन।
8.मंगल-दिन 10:18 तक।
9.बुध-दिन 2:55 से
10.गुरु-दिन 12:54 से

ता. वार योग
11.शुक्र-दिन 2:53 तक।
18.शुक्र-समस्त दिन
19.शनि-प्रातः6:50 से
20.रवि-प्रातः7:26 तक।
30.बुध-रात 8:2 से

मई
1.गुरु-सायं 6:50 तक।
2.शुक्र-सायं 6:1 से
3.शनि-सायं 5:32 तक।
5.सोम-सायं 5:55 से
6.मंगल-समस्त दिन
7.बुध-रात 8:19 तक।
9.शुक्र-रात 12:28 से
10.शनि-रात 2:59 तक।
16.शुक्र-दिन 2:3 तक।
18.रवि-दिन 3:40 से
19.सोम-दिन 3:44 तक।
29.गुरु-रात 2:4 से
30.शुक्र-रात 1:29 तक।
31.शनि-रात 1:20 से

जून
1.रवि-रात 1:41 तक।
3.मंगल-रात 3:53 से
4.बुध-समस्त दिन।
5.गुरु-समस्त दिन।
6.शुक्र-प्रातः 7:53 तक।
9.सोम-दिन 3:33 तक।
10.मंगल-सायं 5:58 तक।
16.सोम-रात 11:23 से
17.मंगल-रात 10:41 तक।
25.बुध-दिन 11:6 से
28.शनि-दिन 9:12 से
29.रवि-दिन 9:27 तक।
30.सोम-दिन 10:9 से

जुलाई
1.मंगल-दिन 11:24 तक।
3.गुरु-दिन 3:13 से
4.शुक्र-समस्त दिन।
5.शनि-रात 8:14 तक।
8.मंगल-रात 3:28 से
9.बुध-रा.शे.5:11 तक।
16.बुध-रा.शे.4:32 से
27.गुरु-सायं 5:51 से
28.सोम-सायं 6:58 तक।
29.मंगल-रात 8:34 से
30.बुध-रात 10:36 तक।

अगस्त
1.शुक्र-रात 3:31 से
2.शनि-समस्त दिन।
3.रवि-प्रातः6:10 तक।
पुनः सायं 5:34 से
4.सोम-समस्त दिन।
5.मंगल-दिन 10:53 तक।
7.गुरु-दिन 2:9 से
8.शुक्र-दिन 3:2 तक।
14.गुरु-दिन 11:20 से
15.शुक्र-दिन 9:43 तक।
25.सोम-रात 4:0 से
26.मंगल-समस्त दिन।
27.बुध-प्रातः 5:56 तक।
28.गुरु-दिन 8:13 से
29.शुक्र-दिन 10:45 तक।
31.रवि-समस्त दिन।

सितम्बर
1.सोम-सायं 6:13 से
2.मंगल-समस्त दिन।
3.बुध-रात 9:41 तक।

ता. वार योग
5.शुक्र-रात 11:12 से
6.शनि-रात 11:13 तक।
12.शुक्र-दिन 4:15 से
13.शनि-दिन 2:34 तक।
24.बुध-दिन 3:22 से
25.गुरु-सायं 5:51 तक।
26.शुक्र-रात 8:28 से
27.शनि-समस्त दिन।
28.रवि-रात 1:24 तक।
30.मंगल-रा.शे. 5:5 से

अक्टूबर
1.बुध-समस्त दिन।
2.गुरु-समस्त दिन।
3.शुक्र-प्रातः 6:53 तक।
5.रवि-प्रातः 6:43 से रा.शे. 5:59 तक।
11.शनि-रात 9:9 से
12.रवि-रात 7:40 तक।
23.गुरु-रात 3:38 से
24.शुक्र-समस्त दिन।
25.शनि-समस्त दिन।
26.रवि-दिन 8:41 तक।
27.सोम-दिन 10:49 से
28.मंगल-दिन 12:32 तक।
30.गुरु-दिन 2:34 से
31.शुक्र-समस्त दिन।

नवम्बर
1.शनि-दिन 2:37 तक।
3.सोम-दिन 1:1 से
4.मंगल-दिन 11:45 तक।
10.सोम-रात 1:21 से
11.मंगल-रात 12:37 तक।
23.रवि-सायं 6:1 से
24.सोम-रात 7:51 तक।
25.मंगल-रात 9:15 से
26.बुध-रात 10:7 तक।
28.शुक्र-रात 10:22 से
29.शनि-समस्त दिन
30.रवि-रात 8:57 तक।

दिसम्बर
2.मंगल-सायं 6:18 से
3.बुध-सायं 4:41 तक।
10.बुध-प्रातः 7:58 से।
11.गुरु-प्रातः 7:58 तक।
22.सोम-रात 4:36 से
23.मंगल-रात 5:37 तक।
24.बुध-रा.शे. 6:5 से
25.गुरु-रा.शे. 6:7 तक।
27.शनि-रा.शे.4:52।
29.सोम-समस्त दिन।
30.मंगल-12:46 तक।

वायीजय योग

जनवरी
2.गुरु-रात 12:30 से
6.सोम-सायं 6:30 तक।
9.गुरु-दिन 11:31 से
11.शनि-प्रातः7:26 से
13.सोम-दिन 10:35 से
16.गुरु-दिन 11:43 तक।
18.शनि-दिन 2:56 से
19.रवि-प्रातः 6:55 तक।
20.सोम-दिन 8:50 से
30.गुरु-दिन 8:21 से

फरवरी
3.रवि-दिन 9:36 तक।
6.गुरु-रात 9:13 से
10.सोम-रात 6:8 तक।
15.शनि-रात 10:13 तक।

ता. वार योग

मार्च
2.रवि-दिन 11:44 तक।
6.गुरु-दिन 3:3 तक।
15.शनि-प्रातः 7:34 तक।
17.सोम-दिन 12:31 से
23.रवि-रात 11:49 से
30.रवि-दिन 2:14 तक।
31.सोम-सायं 4:34 से

अप्रैल
6.रवि-दिन 9:42 से
10.गुरु-दिन 12:54 से
12.शनि-सायं 5:13 तक।
13.रवि-रात 7:43 से
14.सोम-प्रातः 6:29 तक।
20.रवि-प्रातः 7:26 से
26.शनि-प्रातः 5:45 तक।
28.सोम-रात 10:31 तक।

मई
5.सोम-दिन 11:47 से
8.गुरु-रात 1:42 तक।
10.शनि-रात 2:49 से।
12.सोम-प्रातः 5:37 तक।
17.शनि-दिन 3:6 से
19.सोम-दिन 3:44 तक।
22.गुरु-रात 8:24 से
25.रवि-दिन 8:55 से

जून
1.रवि-रात 11:54 से
8.रवि-प्रातः 7:2 से।
14.शनि-दिन 2:25 तक।
16.सोम-दिन 1:12 तक।
19.गुरु-दिन 8:18 से
21.शनि-सायं 5:11 से
23.सोम-दिन 1:53 से
26.गुरु-दिन 10:7 से
28.शनि-दिन 12:1 तक।

जुलाई
3.गुरु-दिन 2:42 से
5.शनि-सायं 6:28 से
7.सोम-रात 10:20 से
13.रवि-प्रातः 7:33 तक।
17.गुरु-सायं 5:47 तक।
19.शनि-दिन 12:57 तक।
21.सोम-दिन 8:4 तक।
28.सोम-रात 11:42 से
31.गुरु-रात 12:58 से

अगस्त
1.शुक्र-रात 3:31 से
3.रवि-प्रातः 6:10 से
10.रवि-दिन 12:38 तक।
14.गुरु-प्रातः 5:45 तक।
17.रवि-प्रातः 6:25 से।
25.सोम-दिन 11:39 से
28.गुरु-दिन 8:13 से
30.शनि-दिन 1:22 से

सितम्बर
8.सोम-रात 10:0 से
11.गुरु-सायं 5:54 से
13.शनि-दिन 2:34 से
14.रवि-दिन 8:41 तक।
22.सोम-दिन 11:20 तक।
27.शनि-दिन 8:45 तक।

अक्टूबर
6.सोम-दिन 11:25 से
9.गुरु-रात 12:27 तक।
11.शनि-रात 9:8 तक।
16.गुरु-दिन 1:46 से

ता. वार योग
18.शनि-सायं 5:32 से
19.रवि-दिन 1:55 तक।
30.गुरु-दिन 2:34 से

नवम्बर
3.सोम-रात 11:37 तक।
6.गुरु-प्रातः 8:37 तक।
10.सोम-प्रातः 8:2 तक।
15.शनि-रात 2:8 तक।
17.सोम-रा.शे.5:46 से
24.सोम-रात 7:51 से
27.गुरु-रात 7:24 तक।
30.रवि-सायं 4:10 से

दिसम्बर
1.सोम-दिन 2:20 तक।
4.गुरु-दिन 3:2 से
7.रवि-दिन 10:22 से
13.शनि-दिन 9:27 तक।
22.सोम-दिन 9:40 से
27.शनि-प्रातः 8:53 तक।
29.सोम-रात 2:20 से

स्थायीजय योग

जनवरी
10.शुक्र-दिन 9:22 से
17.शुक्र-दिन 1:6 तक।
28.मंगल-दिन 8:33 तक।

फरवरी
11.मंगल-रात 6:23 तक।

मार्च
7.शुक्र-दिन 1:6 तक।
18.मंगल-दिन 3:9 से
25.मंगल-रात 11:30 से
28.शुक्र-सायं 6:43 तक।

अप्रैल
1.मंगल-दिन 2:55 से
8.मंगल-रात 11:4 से

जून
3.मंगल-रात 12:37 तक।
6.शुक्र-रा.शे.5:2 से
24.मंगल-दिन 12:23 से

जुलाई
8.मंगल-रात 11:55 से
18.शुक्र-दिन 3:26 तक।
22.मंगल-प्रातः 5:48 तक।

अगस्त
1.शुक्र-रात 3:31 से
12.मंगल-दिन 9:51 से
19.मंगल-रात 2:17 से

सितम्बर
19.शुक्र-रात 11:46 से
26.शुक्र-प्रातः 6:40 तक।
30.मंगल-दिन 1:44 तक।

अक्टूबर
10.शुक्र-रात 10:46 तक।
17.शुक्र-सायं 4:46 से
24.शुक्र-रा.शे.6:14 से

नवम्बर
4.मंगल-दिन 11:45 तक।

दिसम्बर
2.मंगल-दिन 12:16 तक।
16.मंगल-दिन 3:9 से
23.मंगल-दिन 10:33 से
30.मंगल-रात 12:46 तक।

संधिकर

अप्रैल
23.बुध-प्रातः 7:20 से

मई
28.बुध-रात 2:57 से।

वास्तु सम्बन्धी आवश्यक जानकारी

1. भूमि का आकार आयताकार, वर्गाकार एवं गोमुख सर्वोत्तम होता है। उत्तर-दक्षिण लम्बी भूमि ज्यादा लाभदायक होती है। भूमि पश्चिम-दक्षिण ऊँचा व पूरब-उत्तर नीचा होने पर ज्यादा लाभदायक होती है। छत की ढलान ईशान में शुभ होती है। वृत्ताकार भूखण्ड में निर्माण भी वृत्ताकार ही होना चाहिये।
2. पूरब-उत्तर का कोना (ईशान कोण) में मन्दिर, जलस्रोत, कुआँ, हैण्डपम्प, जलाशय रखना चाहिये। ऐसा नहीं है तो लोहे की पाइप में नल लगा दें या लोटे में जल भरकर रख दें।
3. सिंहमुखी भूखण्ड व्यावसायिक भवन हेतु शुभ होता है।
4. भूखण्ड का उत्तर या पूर्व या ईशान कोण में विस्तार शुभ होता है।
5. भूखण्ड के उत्तर या पूर्व में मार्ग शुभ होता है। दक्षिण या पश्चिम में मार्ग व्यापारिक स्थल के लिये शुभ होते हैं।
6. पूरब-दक्षिण के कोने (अग्निकोण) में रसोई घर, जनरेटर, बिजली का मीटर व गर्म सारी चीजें रख सकते हैं।
7. दक्षिण-पश्चिम के कोने (नैर्ऋत्यकोण) में भवन स्वामी का शयन कक्ष होना चाहिये।
8. उत्तर-पश्चिम के कोने (वायव्य कोण) में कुँवारी कन्या का कमरा होना चाहिये।
9. सीढ़ी (घड़ी अनुसार दाईं तरफ घुमते हुये) पर पहला कदम पूरब या उत्तर चढ़ना उत्तम माना जाता है। एकदम ईशान या अग्नि कोण पर सीढ़ी नहीं बनाना चाहिये। पश्चिम-दक्षिण में सीढ़ी बनाने पर यह दिशा अपने आप भारी हो जाती है। इसलिये सीढ़ी के नीचे शौचालय, स्नानघर स्टोर, मन्दिर नहीं बनाना चाहिये। यह रोग व कष्ट कारक होता है। सीढ़ियों की संख्या विषम (1,3,5,7) होनी चाहिये।
10. हर दिशा में खिड़कियों की संख्या विषम (1,3,5,7) होनी चाहिये। पूरब और उत्तर में खिड़की बनाना व खुला रखना सर्वोत्तम होता है। चूँकि इस दिशा से हल्की धूप व हवा प्राप्त होती रहती है। जो हमारे स्वास्थ्य के लिये लाभकारी होती है। दक्षिण और पश्चिम दिशा में खिड़की व खुलापन कम होना चाहिये। क्योंकि इस दिशा में सूर्य में तेजी व गर्म हवा आती है।
11. यदि आवासीय परिसर में बेसमेन्ट का निर्माण कराना हो तो उसे उत्तर या पूर्व में ब्रह्मस्थान को बचाते हुये बनाना चाहिये। बेसमेन्ट की ऊँचाई कम से कम 9 फीट होनी चाहिये तथा वह तल से 3 फीट ऊपर होना चाहिये, जिससे उसमें प्रकाश व हवा का निर्बाध रूप से आवागमन हो सके।
12. भवन के प्रत्येक मंजिल के छत की ऊँचाई 12 फीट होनी चाहिये; किन्तु यह 10 फीट से कम कदापि नहीं होनी चाहिये।
13. भवन का दक्षिणी भाग हमेशा उत्तरी भाग से ऊँचा होना चाहिये एवं पश्चिमी भाग हमेशा पूर्वी भाग से ऊँचा होना चाहिये। भवन में नैर्ऋत्य सबसे ऊँचा व ईशान सबसे नीचा होना चाहिये।
14. घर में सारे कार्य मनुष्यों को पूरब व उत्तर मुँह होकर करना सर्वोत्तम है। जैसे—आइना देखना, खाना पकाना, बच्चों का पढ़ना, पूजा करना इत्यादि। सोफे पर बैठते समय मुँह पूरब व उत्तर सर्वोत्तम माना जाता है।
15. सोते समय शिर दक्षिण या पूरब होना चाहिये, क्योंकि पूरब में मन्दिर व प्रत्यक्ष देवता सूर्य उदय होते हैं, इसलिये पूरब पैर करके नहीं सोना चाहिये। यदि व्यक्ति पूरब या दक्षिण दिशा में पैर करके सोते हैं तो मन में नकारात्मक विचार और डरावने सपने आते हैं। इसके अलावा व्यक्ति निराशा और भय का शिकार हो जाता है।
16. शौच करते समय आपका मुँह दक्षिण या उत्तर दिशा में होना चाहिये।
17. पूरब या उत्तर दिशा में ड्राइंग रूम, डाइनिंग रूम व बच्चों की पढ़ाई के लिये उत्तम स्थान है तथा पूरब-उत्तर दिशा सबसे हल्का होना चाहिये। इस दिशा में छोटे पेड़ तुलसी जी, बेला, चम्पा, चमेली, गुड़हल इत्यादि लगाना चाहिये। बड़े पेड़ इस दिशा में नहीं लगाने चाहिये।
18. नवनिर्मित मकान में पीलरों की संख्या सम (4,6,8,12) होनी चाहिये।
19. मकान में प्रवेशद्वार पूरब व उत्तर दिशा सर्वोत्तम होती है।
20. मकान के एकदम मध्य में पीलर या भारी चीज नहीं रखनी चाहिये। ऐसा होने पर पेट के रोग का कारण बनता है।
21. स्टोर में आलमारी का मुँह पूरब या उत्तर खुलना सर्वोत्तम माना जाता है। दक्षिण पश्चिम के कोने (नैर्ऋत्यकोण) में शौचालय-स्नानगृह व नाली नहीं होना चाहिये। अग्निकोण, ईशानकोण, नैर्ऋत्यकोण में नाली नहीं होनी चाहिये। ये कोण धन व मालिक का स्थान होता है।
22. प्रवेश द्वार के लिये चारो दिशाओं में भूमि की लम्बाई में 9 भाग करके प्रवेश करते समय पाँच भाग दायें एवं तीन भाग दायें छोड़कर शेष भाग में प्रवेश द्वार बनवाये।
23. घर के उत्तर दिशा में कुआँ, तालाब, बगीचा, पूजाघर, तहखाना, स्वागतकक्ष, कोषागार व लिविंग रूम बनाये जा सकते हैं।
24. भवन के द्वार के सामने मन्दिर, खम्भा व गड्ढा अशुभ होते हैं।
25. घर के पूजा स्थान में 7 इंच से बड़ी मूर्तियाँ स्थापित नहीं करनी चाहिये। यदि मूर्ति पहले से है। तो उसकी विधि-विधान से पूजा करते रहें।
26. घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्यदेव की प्रतिमा, तीन देवी प्रतिमा, दो गोमतीचक्र व दो शालिग्राम नहीं रखना चाहिये।

* वास्तु शास्त्र का यथा सम्भव पालन करें।

वास्तुचक्र